MSW-007
MSW-008
MSW-009
MSWE-001
MSWE-002
MSWE-003
MSWE-007

समाज कार्य में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम.एस.डब्ल्यू. द्वितीय वर्ष)

सत्रीय कार्य : 2021–2022

पाठ्यक्रम शीर्षक

एम.एस.डब्ल्यू–007	:	वैयक्तिक कार्य एवं परामर्शः व्यक्तियों के साथ कार्य करना
एम.एस.डब्ल्यू–008	:	सामाजिक समूह कार्य : समूहों के साथ कार्य करना
एम.एस.डब्ल्यू–009	:	सामुदायिक विकास के लिए समुदाय संगठन प्रबंधन
एम.एस.डब्ल्यू.–017	:	समाज कार्य के समकालीन तरीके और मूल्य
एम.एस.डब्ल्यू.ई.–001	:	एचआईवी/एड्स : कलंक, भेदभाव और रोकथाम
एम.एस.डब्ल्यू.ई.–002	:	महिला और बाल विकास
एम.एस.डब्ल्यू.ई.–003	:	आपदा प्रबंधन
एम.एस.डब्ल्यू.ई.–07	:	अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य
एम.एस.डब्ल्यू.–10	:	परोपकारी समाज कार्य का परिचय

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अन्तिम तारीखः
जुलाई, 2021 सत्र – मार्च 31, 2022
जनवरी, 2022 सत्र – सितम्बर 30, 2022

नोट : कृपया उन पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य लिखें जिन्हें आपने चुना है।

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय

समाज कार्य विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विष्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

प्रिय शिक्षार्थी,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के एम.एस.डब्ल्यू. कार्यक्रम में आपका स्वागत है। आपने समाज कार्य में स्नातकोत्तर होने के लिए यह कार्यक्रम एक उद्देश्य के साथ चुना है ताकि आप मानवजाति की सामाजिक दशाएं सुधार सकें। एम.एस.डब्ल्यू. कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, कृपया निम्नलिखित बातों का पालन करें:

- अपना अध्ययन आरंभ करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका को पढ़िए। इससे इग्नू के एम.एस.डब्ल्यू. अध्ययन करने के बारे में आपके अधिकतर संदेह दूर हो जाएंगे।
- आप अपने सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में समय पर जमा कराएं।
- अपने अध्ययन केंद्र और क्षेत्रीय केंद्र के संपर्क में रहें।
- क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षण के लिए अध्ययन केंद्र में अपने क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक से मिलें।
- परीक्षा फार्म समय पर भरें।

सत्रीय कार्य एक खुली किताब है और हम इग्नू में प्रत्येक पाठ्यक्रम के समग्र ग्रेड की गणना करते समय सत्रीय कार्यों के लिए 30% भारित देते हैं। **सत्रीय कार्य हस्तलिखित और स्वहस्ताक्षरित होने चाहिए।** सत्रीय कार्य–प्रतिक्रिया का एक अच्छा सेट तैयार करने के लिए आप उन सभी अध्यायों को पढ़े जिनमें से सवाल तैयार किए गए हैं। आप अपने सहकर्मी, शैक्षिक परामर्शदाताओं और प्रोफेसरों के साथ चर्चा करें, जिन्होंने आपको पढ़ाया है। मसौदा तैयार करें, उस पर आवश्यक सुधार करें और तब अंतिम संस्करण अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करने के लिए तैयार करें।

हर सवाल का जवाब देने के लिए नया पृष्ठ शुरू करें। लंबे और मध्यम जवाब देने के लिए एक परिचय, मुख्य भाग के लिए एक उप–शीर्षक और एक निष्कर्ष हो। प्रत्येक अनुच्छेद के बीच एक लाईन छोड़ें। आपके जवाब विशिष्ट हों और आपके अपने शब्दों में हो, यह किताब की नकल ना हो। आपके उत्तर इग्नू के पठन सामग्री पर आधारित हों। सत्रीय कार्य आपके सत्रांत परीक्षा की तैयारी है, इसलिए इसे गंभीरतापूर्वक लें।

डॉ. सौम्या
(कार्यक्रम समन्वयक)

वैयक्तिक कार्य एवं परामर्शः व्यक्तियों के साथ कार्य करना
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–007
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) सामाजिक वैयक्तिक कार्य अभ्यास के स्वदेशीकरण से आप क्या समझते हैं? भारतीय संस्कृति में, वैयक्तिक कार्य अभ्यास में कर्तव्य की अवधारणा को कैसे उचित ठहराया जा सकता है? 20

अथवा

सामाजिक वैयक्तिक कार्य प्रक्रिया के चरणों की संक्षेप में चर्चा कीजिए। 20

2) सामाजिक वैयक्तिक कार्य साक्षात्कार में उद्देश्यों को सूचीबद्ध करें। 20

अथवा

परामर्श की संज्ञानात्मक तकनीक की मूल अवधारणा की व्याख्या करें । 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिएः

क) स्वतंत्रता पूर्व भारत में समूह कार्य के विकास की विवेचना कीजिए। 10

ख) वैयक्तिक कार्य संबंधों की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 10

ग) परामर्श के लिए आवश्यक व्यावहारिक व्यवस्थाएं क्या हैं? 10

घ) सामाजिक मामले के रिकॉर्ड के उपयोग और कार्यों को सूचीबद्ध करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिएः

क) वैयक्तिक कार्य और समूह कार्य में अंतर स्पष्ट कीजिए। 5

ख) संचार के प्रकारों की चर्चा कीजिए। 5

ग) परामर्श में विभिन्न तकनीकें क्या हैं? 5

घ) रिकॉर्डिंग के विभिन्न उद्देश्यों को सूचीबद्ध करें। 5

ङ) साक्षात्कार बातचीत से कैसे अलग है? 5

च) समाज कार्य के अभ्यास के लिए बुनियादी पांच विशेषताओं की संक्षेप में चर्चा करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिएः

क) बंदोबस्त आंदोलन 4

ख) समूह कार्य के लाभ 4

ग) स्वीकृति 4

घ) परामर्श में कार्रवाई चरण 4

ङ) समाज कार्य अभ्यास में परामर्श का दायरा 4

च) संचार के स्तर 4

छ) केस रिकॉर्ड के रूप 4

ज) वकालत 4

सामाजिक समूह कार्य : समूहों के साथ कार्य करना
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–008
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) स्वयं सहायता समूह बनाने की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

समूहों के ऐतिहासिक विकास की विवेचना कीजिए। 20

2) समूह नेतृत्व एक कौशल कैसे है? विभिन्न नेतृत्व सिद्धांतों का संक्षेप में वर्णन कीजिए। 20

अथवा

सामाजिक समूह कार्य में सिद्धांतों की व्याख्या करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिए:

क) सामाजिक क्रिया समूह में क्या चरण हैं? 10

ख) समूह विकास के चरणों का संक्षेप में उल्लेख कीजिए। 10

ग) नेतृत्व के सिद्धांतों की व्याख्या करें। 10

घ) विभिन्न प्रकार के समूहों को सूचीबद्ध करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिए:

क) भारतीय समाज की उन विशिष्ट विशेषताओं का वर्णन कीजिए जिन्होंने भारत में सामाजिक समूह कार्य के विकास में योगदान दिया। 5

ख) स्वयं सहायता समूह की विशेषताओं पर चर्चा करें 5

ग) सामाजिक समूह कार्य में समूह निर्माण की प्रक्रिया क्यों महत्वपूर्ण है? 5

घ) सामाजिक समूह कार्य में रिकॉर्डिंग के सिद्धांतों पर प्रकाश डालिए। 5

ङ) बाल कल्याण एजेंसियों में समूह कार्य के उद्देश्यों को सूचीबद्ध करें। 5

च) कार्य समूहों की कुछ कमियाँ क्या हैं? 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिए:

क) युवा कल्याण के लिए सामूहिक कार्य 4

ख) समूह कार्य के लाभ 4

ग) सामाजिक समूह कार्य में मूल्य 4

घ) नेतृत्व और निर्णय लेना 4

ङ) जीवन कौशल शिक्षा 4

च) कैम्पिंग और भारतीय युवा संगठन 4

छ) समूह कार्यकर्ता समूह के नेता के रूप में 4

ज) भूमिका विभेद

सामुदायिक विकास के लिए समुदाय संगठन प्रबंधन
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–009
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) समुदाय को अपने शब्दों में परिभाषित करें। एक समुदाय को समझने के लिए समाज कार्य अभ्यासियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले तीन दृष्टिकोणों की संक्षेप में चर्चा करें। 20

अथवा

भारत में सामुदायिक संगठन के ऐतिहासिक विकास का पता लगाएं। 20

2) ब्रिटो द्वारा दिए गए उप–प्रकारों के साथ सामाजिक क्रिया के मॉडलों को संक्षेप में सूचीबद्ध करें। 20

अथवा

समाज कल्याण प्रशासन के कार्यक्षेत्र की व्याख्या कीजिए। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिए:

क) आपके अनुसार शहरी समुदायों की प्रमुख विशेषताएं क्या हैं? 10

ख) पिंकस और मिनाहन द्वारा एकीकृत सामाजिक कार्य दृष्टिकोण में वर्णित हस्तक्षेप के आठ चरणों को सूचीबद्ध करें। 10

ग) समाज कल्याण संगठन कितने प्रकार के होते हैं? 10

घ) सामुदायिक संगठन के चरणों पर प्रकाश डालिए । 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिए:

क) सामुदायिक संगठन और सामुदायिक विकास में अंतर स्पष्ट कीजिए। 5

ख) जेंडर संवेदनशील सामुदायिक संगठन अभ्यास की व्याख्या करें। 5

ग) भारत में ग्रामीण सामाजिक संरचना की मुख्य विशेषताएं क्या हैं? 5

घ) भारत के विशेष संदर्भ में बुजुर्गों के साथ सामाजिक क्रिया के दायरे की संक्षेप में चर्चा करें। 5

ङ) समाज कल्याण प्रशासन की विशेषताओं को सूचीबद्ध करें। 5

च) आदिवासी सामाजिक संरचना में परिवार के अधिकार के महत्व की व्याख्या करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिए:

क) सामुदायिक विकास 4
ख) सामुदायिक कार्य के हिस्से के रूप में सामाजिक कार्रवाई 4
ग) समाज कार्य में सामुदायिक संगठन 4
घ) सामुदायिक संगठन में मूल्य अभिविन्यास 4
ङ) सामाजिक क्रिया के मूल्य और नैतिकता 4
च) SWOC (ताकत, कमजोरी, अवसर और चुनौतियाँ) विश्लेषण 4
छ) सामाजिक अंकेक्षण 4
ज) क्षमता निर्माण 4

समाज कार्य के समकालीन तरीके और मूल्य
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू.–017
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) जनहित याचिका को परिभाषित करें। इसकी प्रमुख विशेषताओं की विवेचना कीजिए। 20

अथवा

शक्ति आधारित अभ्यास के प्रमुख तत्वों की चर्चा कीजिए। 20

2) सामाजिक कार्य के मूल्य के रूप में मानवीय संबंधों के मूल्य के महत्व का उदाहरण सहित वर्णन करें। 20

अथवा

सामाजिक कार्य शिक्षा परिषद (सीएसडब्ल्यूई) द्वारा वर्णित सामाजिक कार्य अभ्यास की कुछ मुख्य दक्षताएं क्या हैं? 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिएः

क) सामाजिक कार्य में नेटवर्किंग के उपागमों और मॉडलों की चर्चा कीजिए। 10

ख) सामुदायिक संगठन के साथ नेटवर्किंग के संबंध को उदाहरण सहित समझाइए। 10

ग) संसाधन जुटाने के तत्वों की चर्चा कीजिए। 10

घ) एक प्रभावी जन जागरूकता अभियान के लिए प्रमुख तत्व क्या हैं 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिएः

क) वकालत के उद्देश्य क्या हैं? 5

ख) वकालत के सामाजिक वैयक्तिक कार्य के साथ जुड़ाव पर प्रकाश डालिए। 5

ग) जनहित याचिका कैसे दायर करें? 5

घ) समाज कल्याण प्रशासन और जागरूकता अभियान के बीच संबंध की व्याख्या करें। 5

ङ) रूसी संहिता के अनुसार सामाजिक न्याय के मूल्य को सूचीबद्ध करें। 5

च) CASW के अनुसार गरिमा और मूल्य के सिद्धांतों पर चर्चा करें 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिएः

क) सामाजिक कार्य और संसाधन जुटाना 4

ख) जनहित याचिका और शक्ति आधारित अभ्यास 4

ग) जागरूकता अभियान के उद्देश्य 4

घ) समाज कार्य के मूल्य के रूप में सेवा 4

ङ) समाज कार्य के मूल्य के रूप में सत्यनिष्ठा 4

च) क्षमता के सिद्धांत 4

छ) अखंडता के आयाम 4

ज) मानवीय गरिमा और मूल्य का उल्लंघन 4

एचआईवी/एड्स : कलंक, भेदभाव और रोकथाम
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू.ई.–001
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) वृहद स्तर पर एचआईवी महामारी के सामाजिक और आर्थिक प्रभावों पर चर्चा करें। 20

अथवा

एचआईवी/एड्स के लिए उपलब्ध उपचारों और इससे संबंधित विभिन्न मुद्दों का वर्णन करें। 20

2) कुछ सामाजिक–सांस्कृतिक कारकों की पहचान करें जो एचआईवी संक्रमण के प्रति संवेदनशीलता में वृद्धि करते हैं । 20

अथवा

महिलाओं और बच्चों से संबंधित एचआईवी/एड्स के संदर्भ में विशेष मुद्दों का वर्णन करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिए:

क) एचआईवी परीक्षण पूर्व परामर्श के घटकों की चर्चा कीजिए। 10

ख) एचआईवी के जोखिम को कम करने में सामाजिक कार्यकर्ताओं की भूमिका की व्याख्या करें। 10

ग) एचआईवी परीक्षण के प्रकारों में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा करें। 10

घ) असंगठित क्षेत्र में एचआईवी/एड्स के क्या प्रभाव हैं? स्पष्ट कीजिए। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिए:

क) एचआईवी/एड्स के साथ जी रहे लोगों के क्या अधिकार हैं? समझाइए। 5

ख) एचआईवी और एसटीआई के बीच संबंध पर प्रकाश डालिए। 5

ग) नाको के मुख्य कार्य क्या हैं? 5

घ) रक्त सुरक्षा कार्यक्रम की आवश्यकता की व्याख्या कीजिए। 5

ङ) आपके देश में एचआईवी के लिए मीडिया कवरेज के लिए दिशानिर्देश क्या हैं? 5

च) एचआईवी/एड्स के संदर्भ में संचार की चुनौतियों की संक्षेप में चर्चा करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिए:

क) एलिसा टेस्ट 4
ख) विंडो अवधि 4
ग) एबीसी मॉडल 4
घ) कलंक और भेदभाव 4
ङ) मां से बच्चे में संचरण (एमटीसीटी) 4
च) एचआईवी पर कार्यस्थल कोड पर प्रमुख सिद्धांत 4
छ) सीडी 4 टेस्ट 4
ज) एचआईवी/एड्स फैलाव से संबंधित भ्रांतियां 4

महिला और बाल विकास
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू.ई.–002
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) जनसांख्यिकी, सामाजिक और आर्थिक संकेतकों के संबंध में भारत में महिलाओं की स्थिति की चर्चा करें। 20

अथवा

स्वतंत्रता पूर्व भारत में महिलाओं की स्थिति का विश्लेषण कीजिए। 20

2) अनौपचारिक क्षेत्रों में महिला कामगारों के सामने आने वाली समस्याओं का वर्णन कीजिए। 20

अथवा

महिलाओं को सशक्त बनाने में संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों जैसे UNIFEM, DAW, CSW की भूमिका और कार्यों पर चर्चा करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिएः

क) भारतीय बच्चों की पोषण स्थिति की विवेचना कीजिए। 10

ख) भारत में बालिकाओं की शैक्षिक स्थिति का विश्लेषण करें। 10

ग) बदलते संदर्भ में परिवार की अवधारणा और इसकी उभरती प्रवृत्तियों का वर्णन करें। 10

घ) यौनकर्मियों के बच्चों द्वारा सामना की जाने वाली विभिन्न कठिनाइयों की व्याख्या करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिएः

क) पितृसत्ता महिलाओं को कैसे नियंत्रित करती है? समझाइए। 5

ख) राजनीति में महिलाओं की कुछ वैश्विक स्थिति की सूची बनाएं। 5

ग) बच्चों की सुरक्षा के लिए किशोर न्याय अधिनियम की मुख्य विशेषताओं की व्याख्या करें। 5

घ) बच्चों पर प्राकृतिक आपदा के प्रभाव पर प्रकाश डालिए। 5

ङ) किशोर साथियों के दबाव के आगे क्यों झुक जाते हैं? 5

च) आप महिलाओं के खिलाफ हिंसा की घटनाओं का वर्णन कैसे करेंगे? 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिएः

क) जेंडर बजटिंग 4

ख) प्रजनन और बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम 4

ग) महिला और गरीबी 4

घ) महिलाएं और काम 4

ङ) नारीवाद 4

च) समाजीकरण 4

छ) केंद्रीय दत्तकग्रहण संसाधन प्राधिकरण (CARA) 4

ज) अधिकारिता 4

आपदा प्रबंधन
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू.ई.–003
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) खतरे, जोखिम, भेद्यता और क्षमता के बीच संबंध का वर्णन करें। 20

अथवा

समुदाय आधारित आपदा प्रबंधन के घटकों की चर्चा कीजिए। 20

2) सामूहिक हताहत घटनाओं (एमसीआई) से आप क्या समझते हैं? एमसीआई के विभिन्न दृष्टिकोणों पर चर्चा करें। 20

अथवा

आजादी के बाद से भारत में आपदा प्रबंधन प्रणाली के विकास पर चर्चा करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिएः

क) शमन में शामिल प्रक्रिया का वर्णन करें। 10

ख) आपदा पूर्व वसूली योजना के बारे में विस्तार से चर्चा करें। 10

ग) पूर्व चेतावनी प्रणाली के घटकों की व्याख्या करें। 10

घ) किसी भी राहत कार्य के आवश्यक घटकों की चर्चा कीजिए। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिएः

क) पूर्वानुमान और चेतावनी के बीच अंतर। 5

ख) घटना कमांड प्रणाली क्या है? 5

ग) आपदाओं के प्रबंधन में जेंडर द्वारा निभाई गई भूमिका की सूची बनाएं? 5

घ) प्राकृतिक आपदाओं के बाद महामारियों के मुख्य कारण क्या हैं 5

ङ) आपदा प्रबंधन चक्र की व्याख्या करें? 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिएः

क) जंगल की आग 4

ख) जोखिम मूल्यांकन 4

ग) एनडीएमए का जनादेश 4

घ) महिलाओं और कमजोर वर्ग को होने वाले नुकसान का आकलन करना 4

ङ) पीटीएसडी 4

च) आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 4

छ) जैविक आपदाएं 4

ज) भेद्यता मूल्यांकन के उपकरण 4

अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू.ई.–007
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) वैश्विक स्तर पर काम करने वाले नियामक निकायों की पहचान करें और उन पर चर्चा करें। 20

अथवा

समाज कार्य शिक्षा के उद्भव और विकास पर वाद–विवाद की चर्चा करें। 20

2) अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य शिक्षा से आप क्या समझते हैं? अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य शिक्षा की आवश्यकता को स्पष्ट कीजिए। 20

अथवा

उत्तरी अमेरिका में समाज कार्य और समाज कल्याण के विकास का पता लगाएं। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिएः

क) अंतर्राष्ट्रीय विकास और राहत में सामाजिक कार्यकर्ताओं की भूमिका की चर्चा कीजिए। 10

ख) अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य और समाज कार्य शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण के बीच अंतर करें। 10

ग) सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा करें जो बड़े पैमाने पर लोगों के जीवन को प्रभावित कर रहे हैं। 10

घ) कुछ महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय घोषणाओं और सम्मेलनों का उल्लेख करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिएः

क) आईएफएसडब्ल्यू के प्रमुख कार्यों पर संक्षेप में चर्चा करें। 5

ख) संस्कृति की अवधारणा और उसके विभिन्न आयामों की संक्षेप में व्याख्या करें। 5

ग) सांस्कृतिक क्षमता क्या है? 5

घ) अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक कार्यकर्ता कौन है? 5

ङ) कुछ शुरुआती शुरुआतओं की सूची बनाएं जिनके कारण यूरोप में समाज कार्य पेशे का उदय हुआ। 5

च) अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य अभ्यास के क्षेत्रों को सूचीबद्ध करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिएः

क) अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य के लक्ष्य 4

ख) अंतर्राष्ट्रीय विकास और राहत का उदय 4

ग) अंतरराष्ट्रीय समाज कार्य अभ्यास का अर्थ 4

घ) ऑक्टेविया हिल 4

ङ) विलियम हेनरी बेवरिज 4

च) यूनाइटेड किंगडम में समाज कार्य 4

छ) प्रशांत देशों में समाज कार्य अनुशासन 4

ज) समाज कार्य का स्वदेशीकरण 4

परोपकारी समाज कार्य का परिचय

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू.–010
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1. .अधिकारों के बारे में आपकी क्या समझ है? व्यक्तिगत अधिकारों और सामूहिक अधिकारों के बीच उदाहरण सहित अंतर स्पष्ट करें। 20

अथवा

NASW द्वारा प्रस्तावित आचार संहिता में उद्देश्य, मूल्यों, सिद्धांतों और मानकों पर चर्चा करें। 20

2. परोपकारी संगठनों की स्थापना और प्रबंधन में सरकार द्वारा निभाई गई नियामक भूमिका की गणना करें। 20

अथवा

समाज कार्य मूल्यों और नैतिकता के विकास का पता लगाएं। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिए:

क) समाज कार्य अभ्यास में नैतिकता के अर्थ पर चर्चा करें और समाज कार्य पेशे के मूल मूल्यों की सूची बनाएं। 10

ख) नैतिक दुविधाओं की पहचान करें और समाज कार्य में नैतिक निर्णय लेने की प्रक्रिया को समझें। 10

ग) समाज कार्य पेशे में मौलिक मानवाधिकारों और कर्तव्यों का उल्लेख करें। 10

घ) मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा की मुख्य विशेषताओं को सूचीबद्ध करें। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिए:

क) गांधीवादी परोपकार की व्याख्या कीजिए। 5

ख) आधुनिक परोपकार में उभरती प्रवृत्तियों की चर्चा कीजिए। 5

ग) परोपकार के विभिन्न आयाम क्या हैं? 5

घ) आधुनिक भारत में परोपकार का संक्षिप्त विवरण दें। 5

ङ) परोपकारी स्वास्थ्य देखभाल नैतिकता के सिद्धांतों को सूचीबद्ध करें। 5

च) विभिन्न प्रकार के सामाजिक संपर्क क्या हैं? 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिए:

क) परोपकार की अवधारणा 4

ख) परोपकार का दायरा 4

ग) चैरिटी बनाम परोपकार 4

घ) भारतीय परोपकार का बदलता चेहरा 4

ङ) समाज का मूल्य 4

च) स्वतंत्रता का मूल्य 4

छ) मानव अधिकारों की अवधारणा 4

ज) मानव कर्तव्यों की अवधारणा 4